

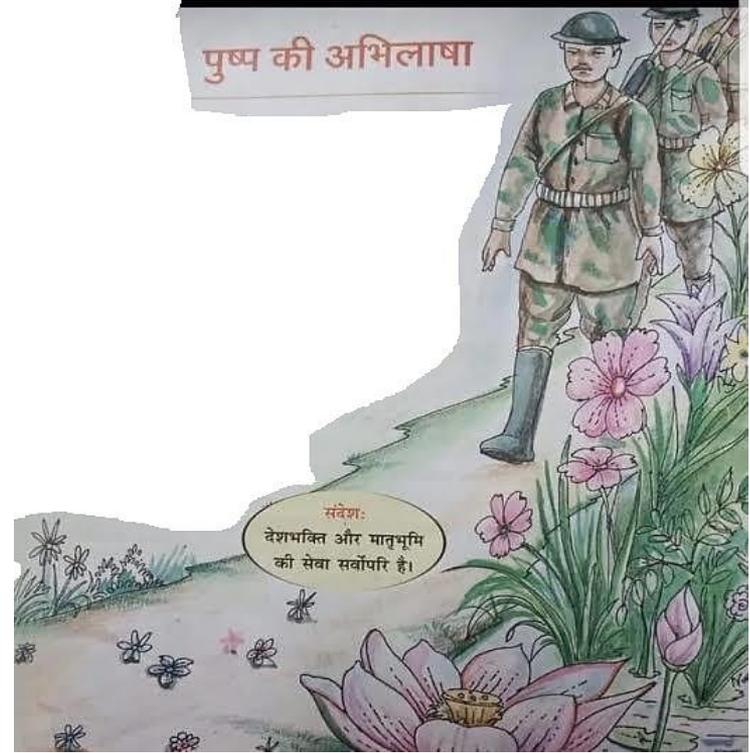
पुष्प की अभिलाषा कक्षा - आठवीं

विषय - हिंदी (LOWER HINDI)
पाठ - ४
पाठ का नाम - पुष्प की अभिलाषा
PPT-3

CHANGING YOUR TOMORROW

**3. मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ पर देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जावें वीर अनेक**

व्याख्या- मैं सिर्फ इतना चाहता हूँ कि हे वनमाली तुम मुझे तोड़कर उस मार्ग पर फेंक देना जिस मार्ग पर वीर देशभक्त, शूरवीर इस भूमि की रक्षा के लिए अपने आप को अर्पण करने जाते हैं, जो इस भूमि के लिए अपना शीश अर्पण करने जाते हैं।



प्रश्नोत्तर

मौखिक

१. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास

अभिलाषा सुरबाला गूँथा ललचाऊँ सम्राट
भाग्य वनमाली पथ मातृभूमि वीर

२. कम - से - कम शब्दों में उत्तर दीजिए -

(क) कविता में किसकी अभिलाषा के बारे में बताया गया है?

उत्तर = कविता में पुष्प की अभिलाषा के बारे में बताया गया है।

(ख) पुष्प किसमें बिंधना नहीं चाहता ?

उत्तर = पुष्प प्रेमी - माला में बिंधना नहीं चाहता ।

(ग) पुष्प वनमाली से क्या कहता है?

उत्तर = पुष्प वनमाली से कहता है कि मुझे तोड़कर उस रास्ते पर फेंकना जिस रास्ते से होकर वीर - बलिदानी जाते हैं।

(घ) पुष्प की अभिलाषा कविता में कौन - सा भाव प्रकट होता है?

उत्तर = पुष्प की अभिलाषा कविता में त्याग , बलिदान तथा देश - प्रेम का भाव प्रकट होता है।

लिखित

१. सही उत्तर चुनकर खाली स्थान पर लिखिए -

(क) पुष्प की अभिलाषा कविता के कविमाखनलाल चतुर्वेदी..... हैं।

- (i) सुमित्रानंदन पंत (ii) शैल चतुर्वेदी
(iii) मोहनलाल चतुर्वेदी (iv) माखनलाल चतुर्वेदी

(ख) फूल तोड़ने के लिए.....वनमाली..... आया है।

- (i) माली (ii) वनमाली
(iii) चौकीदार (iv) सेवक

(ग) ' पुष्प की अभिलाषा ' यह.....देशप्रेम..... की कविता है ।

- (i) देशप्रेम (ii) मातृप्रेम
(iii) पितृप्रेम (iv) भातृप्रेम

(घ)वीर..... लोग महान होते हैं।

- (i) महात्मा (ii) वीर
(iii) शूर (iv) कायर

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP